रिपोर्ट

गणित विभाग द्वारा दिनांकः 21.10.2022(शुक्रवार) को एड–ऑन–कोर्स "डाटा एनालिसिस" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन सेमीनार हॉल में अपरान्ह 12:35 बजे महाविद्यालय के बी0एस–सी0(प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष) के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन गणित विभाग के प्रभारी प्रो0 राजीव दीक्षित एवं प्रो0 दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बखूबी किया। प्रारम्भ में बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज(के0के0वी0) के प्राचार्य प्रो0 रमेश धर द्विवेदी जी द्वारा वक्ता को पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस विशेष व्याख्यान के प्रमुख वक्ता श्री दिव्यांश श्रीवास्तव(बी0टेक0, आई0आई0टी0 रोपड़, पंजाब), डाटा साइंटिस्ट, डेशिमल एनालिटिक्स सॉल्यूशन्स, मुंबई, थे। जिन्होंने विद्यार्थियों को "डाटा एनालिसिस" से संबंधित छोटी–छोटी बारीकियों से अवगत कराया गया। इस तारतम्य में वक्ता द्वारा "डाटा एनालिसिस" क्या है? "डाटा एनालिसिस" को कैसे हैंडल किया जाता है? और "डाटा एनालिसिस" की वर्तमान समय में क्या आवश्यकता है? इस वक्तव्य में वक्ता द्वारा तकनीकी उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों के साथ–साथ डाटा एनालिटिक्स के बुनियादी विचारों पर चर्चा की गई। सबसे पहले विभिन्न प्रकार के डाटा जैसे टेक्स्चुअल डाटा, ऑडियो डाटा, इमेज डाटा आदि पर चर्चा की गई। इसके उपरांत डाटा एनालिसिस की विभिन्न उप–श्रेणियों जैसे डिस्क्रिप्टिव, प्रोडक्टिव और प्रिस्क्रिप्टिव एनालिसिस पर भी सरल रूप से समझाया गया। इसके बाद डाटा विश्लेषण में डाटा संग्रह से लेकर इस डाटा पर आधारित मॉडल की खोज और तैनाती तक के विभिन्न चरणों का विस्तृत परिचय दिया गया। उसके पश्चात् डाटा विश्लेषण के बुनियादी पाइपलाइन प्रवाह पर चर्चा की गई जिसमें डाटा की सफाई, तैयारी और अन्वेषण जैसे चरणों पर भी प्रकाश डाला गया।

इसके बाद, डाटाबेस में हेरफेर के लिए डाटा के प्रकार और बुनियादी एस0क्यू0एल0 की क्वेरी का प्रदर्शन किया गया। उसके बाद डाटा के अन्य रूपों जैसे छवि, पाठ आदि को बेहतर विश्लेषण के लिए संख्यात्मक प्रारूप में परिवर्तित करने के बारे में बताया गया। इसी क्रम में वक्ता द्वारा कई प्रकार के मशीन लर्निंग मॉडल जैसे पर्यवक्षित शिक्षण, अनुपयोगी शिक्षण और सुदृढ़ीकरण सीखने पर आधारित मॉडल को संक्षेप में समझाया गया। डाटा एनालिसिस को पूर्णतः समझने तथा प्रयोगों हेतु सीक्वेल, पायथन आदि भाषाओं को समझने की आवश्कता पर बल दिया गया। अंत में वक्ता द्वारा स्वास्थ्य, बैंकिंग, शैक्षणिक संस्थानों आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आम उपयोग के मामलों के साथ–साथ डाटा विज्ञान के विशाल अनुप्रयोगों जैसे– बैंकिंग सेक्टर, फाइनेंस, शिक्षा, इंडस्ट्री आदि के बारे में भी बताया गया।

उक्त पूरे महत्वपूर्ण व्याख्यान को सुनने के लिए लगभग 80 विद्यार्थी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। शिक्षकों में प्रो0 संजय शुक्ल, प्रो0 संजय मिश्र, प्रो0 संजीव शुक्ल, प्रो0 के0 के0 बाजपेई, प्रो0 जे0 पी0 सिंह, प्रो0 जे0 एस0 पी0 प्राण्डेय, प्रो0 रामकुमार, प्रो0 देवेन्द्र कुमार, डा0 अमृता सिंह तथा रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान व अन्य विभागों के शिक्षक साथी उपस्थित थे। व्याख्यान के समाप्त होने पर छात्र/छात्राओं द्वारा अपनी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को भी वक्ता के वार्ता करके शांत किया गया। बी0एस–सी0

तृतीय वर्ष के छात्र निशांत सिंह ने ट्रेडिंग मे उपयोग के लिए मार्केटिंग रणनीति और डाटा विश्लेषण के बारे में पूछा गया।

वरिष्ठ शिक्षक साथी प्रो0 संजय शुक्ल जी ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों तथा शिक्षकों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन गणित विभागाध्यक्ष प्रो0 राजीव दीक्षित के द्वारा किया गया तथा वीडियो रिकॉर्डिंग श्री पंकज मिश्र(लैब असिस्टेंट, भौतिक विज्ञान विभाग), स्टिल फोटोग्राफी श्री मो0 उमर(पुस्तकालय असिस्टेंट) द्वारा सफलतापूर्वक की गई।